**भारत सरकार**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय**

**उच्चतर शिक्षा विभाग**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं.1375**

**उत्तर देने की तारीख : 10.02.2020**

**आईआईटी एवं आईआईएम में बीच में पढ़ाई छोड़ने की दर**

**†1375.** श्री एन॰ रेड्डप्पः

क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या आईआईटी, आईआईएम और अन्य उच्चतर शिक्षास्तर पाठ्यक्रमों में बीच में पढ़ाई छोड़ने की दर उच्चतर है;

(ख) यदि हां, तो विगत पांच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान पाठ्यक्रम-वार/राज्य-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) भविष्य में इस स्थिति को सही बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्री**

**(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')**

**(क)** जी, नहीं

**(ख)** उपर्युक्त (क) के मद्देनज़र प्रश्न नहीं उठता। फिर भी, कुछ उच्च शिक्षा संस्थानों से ड्रॉपआउट का विवरण निम्नानुसार है

| संस्थानों में ड्रॉपआउट का प्रतिशत | | | |
|---|---|---|---|
| वर्ष | आईआईटी | आईआईएम | अन्य संस्थान |
| 2015-16 | 2.25 | 1.04 | 7.49 |
| 2016-17 | 1.60 | 1.06 | 8.56 |
| 2017-18 | 1.71 | 1.03 | 6.76 |
| 2018-19 | 1.46 | 0.50 | 5.36 |
| 2019-20 | 0.68 | 0.78 | 2.82 |

**(ग):** जैसा कि ऊपर के आंकड़ों से देखा जा सकता है, पिछले 5 वर्षों में ड्रॉपआउट दर में कमी आई है। ड्रॉपआउट दर में यह कमी कई सुधारात्मक उपाय करके हासिल की गई है, जिसमें छात्रों की शैक्षणिक प्रगति और सहकर्मी सहायता प्राप्त शिक्षण की निगरानी के लिए सलाहकार की नियुक्ति शामिल है।

***